हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 71 | जौनपुर, बुधवार 06 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

मिशन रोजगार के अंतर्गत कार्यक्रम में बोले सीएम योगी

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति के नाम पर विलाप करने वाले लोग समाज और देश को कमजोर करते हैं। 2017 के पहले प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतें इनके चेहरों को बेनकाब करती थीं। 40 वर्षों में इंसेफेलाइटिस से पचास हजार से अधिक बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन जाति–जाति करने वाले लोग वोट बैंक की राजनीति करते रहे, जो उनकी संवेदनहीनता को प्रदर्शित करती है। आज उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पूरी तरह से नियंत्रण में है। इससे होने वाली मौतों में 96 से 98 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा और आयुष से जुड़े लेक्चरर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कॉलेजों के प्रिंसिपल नियमित ओपीडी में बैठें। जितने भी पेशेंट देखें, उनकी केस स्टडी तैयार करें। साथ ही चिकित्सा शिक्षा में शोध को बढ़ावा दें। सीएम योगी के अलावा कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु,

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव आयुष लीना जौहरी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सीएम योगी ने मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स, 48 आयुष चिकित्सा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा को और बेहतर बनाने के लिए आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के अंतर्गत 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस को हरी झंडी भी दिखाई। सीएम योगी ने मंगलवार को लोकभवन में मिशन रोजगार के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में विकास की बात तो दूर, यहां के लोगों के सामने पहचान का संकट था। साढ़े छह वर्षों में हमारी सरकार के द्वारा किए गए कार्यों का नतीजा है कि आज यहां का व्यक्ति अपनी पहचान छिपाता नहीं है, बल्कि जो यूपी का नहीं है, वह भी खुद को उत्तर प्रदेश का बताता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले साढ़े छह वर्ष में उत्तर प्रदेश ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को काफी बेहतर किया है। 1947 से 2017 तक प्रदेश में केवल 12 मेडिकल कॉलेज बन पाए थे। आज उत्तर प्रदेश में 65 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें कई क्रियाशील भी हो चुके हैं।सीएम योगी ने कहा– केस स्टडी तैयार करने के साथ ही चिकित्सा शिक्षा में शोध को बढ़ावा दें शिक्षक सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने की वजह से विकास की स्पीड कई गुना बढ़ गई है। रायबरेली और गोरखपुर के एम्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। आज प्रदेश में एलोपैथ के साथ–साथ ट्रेडिशनल मेडिसिन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा आयुष मंत्रालय के गठन के बाद उत्तर प्रदेश ने भी आयुष विभाग का गठन किया। आज उत्तर प्रदेश के पास आयुष विश्वविद्यालय है, जो नए कॉलेजों की मान्यता देने की कार्रवाई को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि पैरामेडिक्स और स्टाफ नर्स प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की बैकबोन हैं। पेशेंट के साथ इनका व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि ठीक होने के बाद पेशेंट उन्हें हमेशा याद रखे। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार और डेंगू पूरी तरह से नियंत्रण में है। 2017 से पहले और उसके बाद के आंकड़ें इसके गवाह हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए हमारी सरकार ने जो कार्य किए हैं उसके परिणाम भी हम सबके सामने हैं। आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत प्रदेश के 10 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जा रहा है। डायलिसिस की सुविधा प्रदेश के 72 जनपदों में उपलब्ध करवाई जा चुकी है। हर जिले में आईसीयू स्थापित हो चुके हैं। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आगे बढ़ाने के क्रम में 108 और 102 की एंबुलेंस सेवाओं के रिस्पांस टाइम को न्यूनतम स्तर पर लाने के प्रयास के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन के लिए श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर लखनऊ में अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी बन रही है।

इंडिया गठबंधन की बैठक टली, इन दिग्गज नेताओं ने शामिल होने से किया इनकार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, विधानसभा चुनाव नतीजों में कांग्रेस की करारी हार के बाद इंडिया गठबंधन की बैठक छह दिसंबर को तय हुई थी, लेकिन अब

यह बैठक स्थगित कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया था। अब इंडिया गठबंधन के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक 6 दिसंबर 2023 को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के आवास पर होगी। इसके बाद पार्टी अध्यक्षों, प्रमुख नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तिथि को निर्धारित की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय के संबद्ध और कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य गुरदीप सप्पल ने इस बात की जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम है। ऐसे में आगे की तिथि के लिए बैठक को स्थगित किया गया है। यह बैठक ऐसे समय होने वाली थी जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की है। बैठक स्थगित होने से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का बुधवार को दिल्ली में होने वाली विपक्ष की बैठक में जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। चुनावी हार के बाद 'इंडिया गठबंधन के कुछ घटक दलों ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में ''इंडिया गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की। सीएम ममता बनर्जी ने बैठक में शामिल होने से इनकार करते हुए कहा कि मुझे इंडिया गठबंधन की बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं है। किसी ने भी मुझे बैठक के बारे में नहीं बताया और ना ही इस संबंध में मुझे कॉल कर सूचित किया गया है। दरअसल, गठबंधन में शामिल पार्टियों ने पिछले कई मीटिंग में सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस से चर्चा की, लेकिन कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया। तीन राज्यों में मिली हार के बाद टीएमसी नेता और सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस की चुनाव में रणनीति ही सही नहीं थी।

रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 83. 41 प्रति डॉलर पर

एजेन्सी

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83. 41 के सर्वकालिक निचले स्तर पर। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति बुधवार को अपनी द्विमासिक समीक्षा बैठक शुरू करेगी। शुक्रवार को निर्णय की घोषणा की जाएगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.41 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.38 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.62 पर रहा।

कांग्रेस ने चक्रवात मिचौंग, कतर में पूर्व नौसैनिकों के मुद्दों पर लोकसभा में स्थगन नोटिस दिया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर और मनीष तिवारी ने मंगलवार को चेन्नई में चक्रवात मिचौंग के प्रभाव और कतर में कैद सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन नोटिस दिया। टैगोर ने अपने स्थगन नोटिस में कहा, मैं तत्काल महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा के उद्देश्य से सदन के कार्य स्थगन के लिए एक प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगने के अपने इरादे की सूचना देता हूं...। उन्होंने बताया कि चेन्नई में दो दिन में 47 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जिससे सार्वजनिक संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ। टैगोर, जो तमिलनाडु के विरुधुनगर से लोकसभा सांसद हैं, ने कहा, राज्य सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हुए, जिससे किसी भी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई, संसद में स्थिति पर चर्चा करना अनिवार्य है – विशेष रूप से रनवे पर पानी के कारण हवाई अड्डे को बंद करना, और चक्रवात मिचौंग जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए तैयारियों की आवश्यकता पर। इस बीच, तिवारी ने कतर में कैद सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों के संबंध में चर्चा के लिए कार्य स्थगन का नोटिस दिया। नोटिस में उन्होंने लिखा है, मैं तत्काल महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा करने के उद्देश्य से सदन के कामकाज को स्थगित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगने के अपने इरादे की सूचना देता हूं, अर्थात्–यह सदन शून्यकाल, प्रश्नकाल को निलंबित कर... कतर में कैद सेवानिवृत्त–भारतीय नौसेना कर्मियों कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश के संबंध में चर्चा करेगा जिन्हें कतर की अदालत ने 26 अक्टूबर 2023 को सजा सुनाई थी। उन्होंने कहा कि वह अगस्त 2022 से लगातार इस मामले को सदन के अंदर और बाहर उठाते रहे हैं लेकिन सरकार ने 14 महीने तक कोई जवाब नहीं दिया। शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू हुआ और 22 दिसंबर को समाप्त होगा। सोमवार को, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी इस मुद्दे को उठाया और मांग की कि सरकार उन आठ पूर्व नौसैनिकों को वापस लाने के लिए ष्हर संसाधन का उपयोग करे, जिन्हें कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी।

मौत की सजा के खिलाफ अपील पहले ही दायर की जा चुकी है।

विधानसभा चुनाव के नतीजों से मजबूत होगा इंडिया गठबंधन : अखिलेश यादव

एजेन्सी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को भाजपा के लिए चिंता का विषय करार दिया है। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से विपक्ष का इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) और मजबूत होगा। अखिलेश यादव ने एक निजी समाचार चौनल के कार्यक्रम में कहा कि, हाल ही में जो चुनाव परिणाम आए हैं, इससे मैं समझता हूं कि इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। इस गठबंधन से जनता को और उम्मीद बढ़ेगी कि उसे और मजबूत कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, हाल में जो परिणाम आए हैं, वे भाजपा के लिए चिंता का विषय होने चाहिए। हो सकता है कि लोगों को लगे कि मैं यह क्या बात कह रहा हूं लेकिन भाजपा के लिए चिंता इस बात की होनी चाहिए क्योंकि जनता का मूड परिवर्तन का है।

सपा प्रमुख ने मध्य प्रदेश की तरफ इशारा करते हुए कहा कि, अगर एक प्रदेश में कांग्रेस पार्टी या जो दल था उसका व्यवहार वैसा ना होता तो परिवर्तन वहां भी हो जाता। जीत के बावजूद चुनाव परिणाम भाजपा के लिए चिंता का विषय कैसे हो सकते हैं, इस सवाल पर यादव ने कहा, जीत जो हुई है, हो सकता है वह कल भाजपा की हार का संदेश हो। मैंने तो सभी चौनलों को देखा है या जो अखबारों में देखा है, उसमें कहा गया है कि जनता का परिवर्तन का मूड था। उन्होंने दलील देते हुए कहा, राजस्थान में परिवर्तन क्यों आया क्योंकि जनता परिवर्तन चाहती थी। छत्तीसगढ़ में क्यों परिवर्तन आया, क्योंकि जनता परिवर्तन चाहती थी। अगर हम इन चार राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और तेलंगाना) के चुनावों का विश्लेषण करें तो यही बात समझ में आती है कि जनता परिवर्तन चाहती है तो फिर जब दिल्ली (लोकसभा) का चुनाव होगा तो जनता परिवर्तन क्यों नहीं चाहेगी.... तो यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार से पूछे जा रहे सवाल अब भी अपनी जगह कायम हैं। उन्होंने कहा, जो सवाल हैं, वे कभी कहीं गए नहीं हैं। भाजपा को बताना चाहिए अगर वह जीत गई है तो पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई। भाजपा को कहना चाहिए कि अब कोई बेरोजगार नहीं है और महंगाई का भी समाधान हो गया है। कहा गया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगी। मैं अभी सदन में था। मुख्यमंत्री जी, उनके सहयोगियों और कैबिनेट के लोगों ने एक बार भी पूरक बजट में एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात नहीं की।

केसीआर ने फार्महाउस पर बीआरएस नेताओं से की मुलाकात

एजेन्सी

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के एक दिन बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस पर पार्टी विधायकों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद केसीआर की पहली तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए। वीडियो में बीआरएस प्रमुख को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों और अपने पूर्व मंत्री सहयोगियों के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है।

केसीआर से मुलाकात करने वालों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व मंत्री टी. हरीश राव, महमूद अली, श्रीनिवास गौड़, टी. श्रीनिवास यादव, मल्ला रेड्डी और सबिता इंद्रा रेड्डी शामिल थे। कुल 119 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस के 64 सीटें जीतने के बाद केसीआर ने रविवार शाम को मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास प्रगति भवन छोड़ दिया था। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल तमिलिसाई साउंडराजन को भेजा और अपनी निजी कार से फार्महाउस पहुंचे। लगभग 10 वर्षों तक तेलंगाना पर शासन करने वाली बीआरएस को केवल 39 सीटों पर विजय मिली। इससे पहले दिन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने नवनिर्वाचित विधायकों, चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और वरिष्ठ नेताओं के साथ तेलंगाना भवन में बैठक की। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान बीआरएस सरकार ने राज्य के विकास और लोगों के कल्याण के लिए कई काम किए। उन्होंने कहा कि लोगों ने दूसरी पार्टी को मौका दिया है और बीआरएस विपक्षी दल के रूप में अपनी भूमिका निभाएगी क्योंकि यह भी लोगों द्वारा दी गई जिम्मेदारी है। बीआरएस नेता ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पार्टी सत्ता खो देगी। उन्होंने कहा कि उन्हें सभी वर्ग के लोगों से सैकड़ों संदेश मिल रहे हैं।

गांवों के संतुलित विकास से रुकेगा गांवों से शहरों की ओर पलायन : केशव

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम उत्थान से ही देश का उत्थान सम्भव है।देश की खुशहाली का रास्ता गांवो से होकर जाता है। हम सबको मिलकर स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट विलेज बनाना है। उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाना है। श्री मौर्य आज योजना भवन लखनऊ में प्रदेश के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों के साथ आयोजित विकास कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश कि गांवो के विकास का मास्टर प्लान बनाएं। प्रत्येक ब्लॉक की चयनित 10 पिछड़ी ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर विशेष रूप से फोकस करें, उन्हें मुख्य धारा में लायें।उन्होंने कहा कि जिस तरह से आकांक्षात्मक जिलों, व आकांक्षात्मक विकास खण्डों में विशेष रूप से फोकस करके उनका सर्वांगीण विकास किया जा रहा है, उसी तरह से यह कार्य भी करना है, जिन ग्राम पंचायतों में अपेक्षाकृत विकास कम हो पाया है, विभिन्न पैरामीटर्स पर अध्ययन, भ्रमण, व विचार विमर्श कर ठोस व प्रभावी रणनीति बनाकर विकास कार्य कराये जांय। कहा कि कई योजनाओं में विकास विभाग के अमले

ने मिलकर देश व प्रदेश में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अमृत सरोवरो के निर्माण व ग्राम चौपालो के आयोजन की चर्चा बड़े पैमाने पर हो रही है।कहा कि गांव –गरीब के विकास की योजनाएं समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाएं और अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़ें। अधिकारी नवाचार करके नए आदर्श स्थापित करें।कहा कि ग्राम चौपाल के बहुत ही सार्थक परिणाम हासिल हो रहे हैं। गांव चौपाल से एक दिन पूर्व गांव में स्वच्छता अभियान चलाया जाए। ग्राम चौपालों व सफाई अभियान में जिले के अधिकारी औचक रूप से भी पहुंचे। कहा कि अमृत सरोवर व अमृत वाटिकाओं को ऐसे संवारें कि वह ऐतिहासिक बने। निर्देश दिए कि योजनाओं के लाभार्थियों की सूची पंचायतों के स्थाई भवनो में लिखाई जाए। 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य गांवों के विकास से ही संभव होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दूरगामी परिणाम हासिल होंगे। विकसित भारत बनाने में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका में रहेगा।क्षेत्र पंचायतो से मनरेगा के कार्य नियमावली के तहत जरूर करायें जांय। प्रदेश में हर ग्राम पंचायत में महिला मेट का चयन किया गया है।गांवों के संतुलित विकास से ही गांवों से शहरों की ओर पलायन रूकेगा। गरीब, नौजवान, महिलाएं व किसानों की सेवा में समर्पित होकर कार्य करना है।ग्राम चौपालों की सफलता की चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को प्रत्येक विकासखण्ड की दो ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्राम चौपालो से एक दिन पूर्व वहां पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए और ग्राम चौपाल का व्यापक प्रचार प्रचार कराया जाए। ग्राम चौपालों के रोस्टर की प्रति जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराकर उन्हें चौपाल में आमन्त्रित किया जाए। बताया कि पूरे प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपालों का आयोजन एक बार किया जा चुका है और अब दुबारा भी शुरूआत हो गयी है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारियों कोनिर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान, ग्राम चौपालों के आयोजन, अमृत सरोवरो के निर्माण, रखरखाव करने, महिला सशक्तिकरण कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों आदि को सम्मानित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सीडीओ, महीने में कम से कम एक बार खण्ड विकास अधिकारियों व ब्लाक प्रमुखों के साथ अनिवार्य रूप से बैठक करें। कहा एक ब्लॉक में तीन साल से अधिक समय तक रहने वाले ग्राम विकास अधिकारियों का ब्लाक बदला जाय, एक साल तक एक ही क्लस्टर में रहने वाले ग्राम विकास अधिकारियों का क्लस्टर बदला जाय। अमृत सरोवर व अमृत वाटिकाओं को इस तरह से सजाया– संवारा जाय, सुरक्षित व संरक्षित रखा जाय, कि वह ऐतिहासिक धरोहर बन जांय, और आने वाली पीढ़ियों के लिए वरदान साबित हों। श्री मौर्य ने कहा कि कतिपय ऐसे प्रकरण संज्ञान में आते हैं कि आवास योजना में पहले लाभार्थी को पात्र दिखाया गया बाद में अपात्र दिखा दिया गया, कहा कि ऐसे मामलों को बहुत गंभीरता से लें, स्वयं जांच करें, बिना किसी तथ्यपूर्ण कारण के पात्र को अपात्र या अपात्र को पात्र न किया जाए।लाभार्थियों की पात्रता सूची सार्वजनिक रखी जाय। उन्होंने मण्डलों में स्थापित संयुक्त विकास आयुक्त कार्यालयों में स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करायें जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश उच्चाधिकारियों को दिए।उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण की किसी भी योजना में भ्रष्टाचार या लापरवाही किसी भी दशा में क्षम्य नहीं होगी।महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम के देश में समूहों की दो करोड़ दीदियों को लखपति बनाने के विजन को मूर्तरूप देने में उत्तर प्रदेश की अहम् भूमिका होगी और इस दिशा में उत्तर प्रदेश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। महिलाओं की आमदनी बढ़ने से पूरे परिवार में समृद्धि आती है।

सम्पादकीय

मिजोरम: नया क्षेत्रीय दल जीता

चार राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को उत्तर पूर्व के राज्य मिजोरम से जो चुनाव परिणाम आया है वह भी कोई कम रोचक और विस्मयकारी नहीं है क्योंकि इस राज्य में एक नवोदित क्षेत्रीय दल 'जोराम पीपुल्स मूवमेंट' ने 40 सदस्यीय विधानसभा में 27 सीटें प्राप्त करके पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। मिजोरम की मुख्य पार्टी अभी तक एक जमाने के विद्रोही नेता ललथनहवला की पार्टी 'मिजो नेशनल फ्रंट' मानी जाती थी और पिछले पांच वर्षों से यही सत्तारूढ़ भी थी। मगर इस पार्टी के मुख्यमन्त्री श्री जोराम थांगा ने जिस प्रकार से निकटवर्ती राज्य मणिपुर में उपजी हिंसा पर रुख अपनाया उसका सीधा परिणाम उन्हें इन चुनावों में भुगतना पड़ा और फ्रंट को केवल दस सीटें ही मिल पायीं और वह सत्ता से बाहर हो गई। जोरामथांगा राज्य में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार चला रहे थे हालांकि भाजपा का केवल एक विधायक ही था मगर श्री जोराम थांगा ने राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए का सदस्य बनना कबूल किया था। इस पर भी कम आश्चर्य व्यक्त नहीं किया जा रहा है कि राज्य में कांग्रेस पार्टी को इस बार केवल एक सीट ही मिली जबकि भाजपा दो सीटें पाने में कामयाब हो गई। मणिपुर में भाजपा की सरकार है और इस राज्य के मुख्यमन्त्री एम बीरेन सिंह की राज्य की जातीय हिंसा के मामले में कड़ी आलोचना भी की जा रही थी। इसके बावजूद भाजपा का समर्थन बढ़ने पर भी अचरज व्यक्त किया जा रहा है वह भी तब जब विधानसभा चुनावों में प्रचार के समय श्री जोराम थांगा ने भाजपा के नेताओं से साफ कर दिया था कि उनकी पार्टी एनडीए की सदस्य जरूर है मगर चुनावी मंच को वह प्रधानमन्त्री समेत किसी भी अन्य भाजपा नेता के साथ साझा नहीं कर सकते हैं। कांग्रेस के एक ही सीट पर सिमट जाने को राज्य की राजनीति के संदर्भ में बहुत गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है कि स्व. ललथनहवला के साथ स्व. राजीव गांधी ने ही मिजोरम में विद्रोही गतिविधियों को विराम देने के लिए शान्ति समझौता किया था और अपनी पार्टी की सरकार से इस्तीफा दिलवा कर ललथनहवला को मुख्यमन्त्री बनाया था। यह 80 के दशक की घटना है। मिजोरम में भाजपा की तरफ से चुनाव प्रचार करने भी कोई राष्ट्रीय स्तर का नहीं गया मगर इसकी सीट एक की जगह दो हो गई जबकि कांग्रेस की पिछली विधानसभा में चार सीटें थीं और वह एक पर सिमट गई। पूर्वोत्तर राज्यों में कांग्रेस की पैठ अच्छी समझी जाती रही है। इस बार के चुनावों में भी श्री राहुल गांधी ने राज्य की राजधानी आइजोल पहुंच कर तीन दिन तक चुनाव प्रचार किया था। इससे पूर्व पूरे मणिपुर अमानवीय जातीय हिंसा होने पर भी वह मणिपुर गये थे। मिजोरम बहुत छोटा राज्य है और इसमें कुल साढ़े आठ लाख मतदाता ही हैं। इसकी आबादी ईसाई बहुल है। रविवार को चार अन्य राज्यों के साथ यहां चुनाव आयोग ने मतगणना इसलिए अगले दिन के लिए मुल्तवी कर दी थी क्योंकि राज्य की इसाई जनता रविवार को चर्चों में जाकर पूजा–पाठ करती है और इस दिन वह अपने धार्मिक कार्यों में ही व्यस्त रहती है। इसके अलावा राज्य के इसाई संगठन हर चुनाव में भाग लेने वाले हर राजनीतिक व प्रत्याशियों के लिए अपनी आचार संहिता भी जारी रखते हैं जिसे चुनाव लड़ने सभी प्रत्याशी बाकायदा हस्ताक्षर करके स्वीकृत करते हैं। इसमें मुख्य रूप से यह लिखा रहता है कि वे चुनाव में कोई भी अवैध या अनैतिक तरीका इस्तेमाल नहीं करेंगे और चुने जाने के बाद दल–बदल नहीं करेंगे। इसके साथ ही इस राज्य में चुने गये विधायक विधानसभा में पहुंचने के बाद यदि वे विपक्ष में बैठते हैं तो सरकार की नीतियों का विरोध करते समय कभी भी अध्यक्ष के आसन के पास जाकर नारेबाजी या कोई हल्ला–गुल्ला नहीं करते हैं। कई मायनों में यह राज्य विलक्षण राज्य माना जाता है जिसमें भारत के संविधान के अनुसार चुनाव नियमों के तहत मतदान होता है मगर नागरिकों की अपनी आचार संहिता भी लागू रहती है। लेकिन इस बार इस राज्य से भी चुनाव आयोग ने शराब व नकदी जब्त की है। निश्चित रूप से इसे गंभीर घटना माना जाना चाहिए। लेकिन भारत राष्ट्र के सन्दर्भों में पूर्वोत्तर के छोटे से छोटे राज्य का भी विशेष महत्व है क्योंकि इनमें से जो भी राज्य चीन व म्यामांर की सीमा के आसपास रहे हैं उनमें विदेशी शक्तियां भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने का काम करती रही हैं मगर इन राज्यों की देश भक्त जनता ने सर्वदा 'जय हिन्द' बोल कर ही उत्तर और दक्षिण के नागरिकों के साथ अपनी आवाज मिलाई। यहां के लोग भारतीय सेना में भर्ती होकर भी भारत माता की सेवा करने में गर्व का अनुभव करते हैं और वीरता व शौर्य की मिसालें कायम करते रहे हैं।

कांग्रेस की कठिनाइयां और गुंजाइशें

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के रविवार को निकले नतीजों में कांग्रेस के हिन्दी पट्टी राज्यों में हुए पराभव से यह साफ है कि उसकी आगे की राह पहले के मुकाबले कहीं अधिक कठिन हो चली है। नवम्बर में विभिन्न चरणों में हुए चुनावों के बाद इनके परिणाम जब निकले तो उसकी छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें छिन चुकी थीं और जिस मध्यप्रदेश को वह भारतीय जनता पार्टी से झटक लेने की मानसिकता में थी, वह भी हाथ नहीं आया। यह सच है कि भारत राष्ट्र समिति को हरा कर दक्षिण भारत का तेलंगाना उसकी झोली में आया है जो एक बड़ी उपलब्धि तो है पर आसन्न लोकसभा चुनाव (2024) के मद्देनजर जो बड़ी छलांग लगाने की वह सोच रही थी, उसमें बड़ी रुकावट तीन राज्यों की पराजय है जिसने कांग्रेस के लिये आगे की सियासी राह को बहुत कठिन कर दिया है। फिर भी ऐसा नहीं कि वह खेल में कभी लौट ही नहीं सकेगी। कांग्रेस की दिक्कतों एवं सम्भावनाओं पर विचार करते समय पहले उसकी कठिनाइयों पर चर्चा कर ली जाये। उसका सबसे बड़ा अवरोध तो यही है कि उसके बारे में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उनके अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा बनाई गई अवधारणाएं एवं परिकल्पनाएं इस कदर प्रगाढ़ रूप से लोगों के मन में बिठा दी गई हैं, कि उनका निराकरण सहज रूप से होता सम्भव नहीं लगता। देश की सबसे पुरानी पार्टी एवं उसके नेताओं के बारे में जो जहरखुरानी की गई है उसके चलते जनता का एक बड़ा हिस्सा, खासकर नयी पीढ़ी उसे भ्रष्टाचार व वंश परम्परा का पोषण करने वाली पार्टी मानती है। राममंदिर आंदोलन के बाद से उसे अधर्मी एवं हिन्दू विरोधी दल के रूप में भी स्थापित किया गया है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब से भारतीय जनता पार्टी केन्द्र में काबिज हुई है और आज जब केन्द्र के साथ उसकी बड़ी संख्या में राज्य सरकारें बन चुकी हैं, कांग्रेस के प्रति नफरत व नकारात्मकता का भाव सर्वत्र फैला दिया गया है। इसी का यह परिणाम है कि उसकी मुद्दा आधारित राजनीति को इन तीनों राज्यों में स्वीकार्यता नहीं मिल पाई। पिछले करीब एक दशक से भाजपा द्वारा हिन्दुओं व गैर हिन्दुओं के बीच जो अलगाव पैदा किया गया है, उसे मिटाने के लिये जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं, तो उसके असर को खत्म करने के भी पुरजोर प्रयास भाजपा व उसके अनुषांगिक संगठन करते दिखाई देते हैं। एक तरह से कांग्रेस की समावेशी

विचारधारा को खारिज कराने के सारे प्रयास किये गये हैं। इन तीन राज्यों में तो यही दिखाई दिया है। कम से कम छत्तीसगढ़ व राजस्थान में तो ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के सिर पर चढ़कर बोला। इसी प्रकार लोगों के मन में कांग्रेस व उसके नेताओं के प्रति भ्रष्टाचारी होने की अवधारणा भी मिटाये नहीं मिट रही है। अपनी विचारधारा के प्रति लोगों को कैसे सहमत किया जाये, यह अब भी कांग्रेस की समझ से परे है। जिस राहुल के पीछे लाखों की भीड़ चलती रही और जिस कांग्रेस की प्रचार सभाओं में जनता की विशाल भागीदारी हुआ करती थी, उसी के द्वारा शासित राज्य की सरकारें भी उससे छीन जायें तो इसे अजूबा ही कहा जाएगा। ऐसे में मध्यप्रदेश को हासिल करना तो दूर की बात है। इसके ठीक विपरीत तेलंगाना भी उदाहरण है जहां के लोगों ने भावनात्मक मुद्दों की बजाय यथार्थवादी मुद्दों को तरजीह देते हुए उसे शानदार जीत दिलाई। उसके पहले कर्नाटक में उसके द्वारा भ्रष्टाचार, वंश परम्परा के संवाहक तथा कट्टर साम्प्रदायिकता का पर्याय बन चुकी भाजपा को हराने का भी दृष्टांत भी है। और पहले जाएं तो हिमाचल प्रदेश भी है। ये तीनों राज्य बताते हैं कि अभी कांग्रेस के लिये सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अगर वह संगठित तरीके से जनता के बीच जाये, चुनाव पूरी मुस्तैदी से लड़े और लोगों को समझाये तो कहानी बदली जा सकती है। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के बारे में कहा जा सकता है कि हिन्दी पट्टी से उसकी दूरी के कारण इन राज्यों की मानसिकता अलहदा है जो भावनात्मक मुद्दों को लेकर वैसी उद्वेलित नहीं होती, जिस प्रकार से हिन्दीभाषी व उनसे जुड़े कुछ अन्य इलाके हैं। दरअसल इस प्रखंड का नैरेटिव ही भाजपा–संघ की राजनैतिक व सामाजिक विचारधारा का अंश है। दुर्भाग्य से यही केन्द्रीय विमर्श भी बन गया है या यों कहा जाये कि बना दिया गया है। इन सारी परिस्थितियों व भाजपा द्वारा बुने गये जाल को देखते हुए कांग्रेस का अन्य दलों से मिलकर बना गठबन्धन ही एकमात्र उपाय है जो भाजपा को मात दे सकता है। चुनावी बिसात पर होती उसकी पराजयों की भरपायी श्इंडियाच (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूजिव एलाएंस–जिसकी बुधवार को दिल्ली में बैठक होगी) के जरिये और उसकी मदद से नयी जमीन हासिल करके हो सकती है। यह अच्छी बात है कि अपनी स्थापना के करीब छह माह बाद भी और कांग्रेस को तीन राज्यों में मिली हार के बावजूद यह गठजोड़ न केवल अक्षुण्ण है वरन अब भी मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। 28 दलों को मिलकर बने इंडिया की असली ताकत यह समझ है कि मिलकर ही वे भाजपा को मात दे सकते हैं। यह बात भी गठबन्धन के सामने साफ है कि उनका अस्तित्व तभी बचा रहेगा जब कांग्रेस का न सिर्फ वजूद बचा रहे वरन वह मजबूत भी बने। बेशक, कांग्रेस की राह को इन तीन राज्यों की पराजयों ने कठिन बनाया है लेकिन वह याद रखे कि उसका इतिहास गिरकर उठने का भी रहा है।

2024 की कोई गारंटी नहीं है!

राजेंद्र शर्मा

आम चुनाव से ठीक पहले के विधानसभाई चुनावों के चक्र में प्रभावशाली जीत के बाद, भाजपा ने इन चुनावों को सिर्फ सेमीफाइनल ही नहीं, उससे आगे बढ़कर एक प्रकार से फाइनल भी कहना शुरू कर दिया है। मतगणना के ही दिन, 3 अक्टूबर को देर शाम, नई–दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित विजय सभा में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने जिस तरह तीन राज्यों की जीत को, 2024 के चुनाव की (जीत की) गारंटी बताया है, इसी का इशारा करता है। आने वाले दिनों में बार–बार चुनाव के इस चक्र की जीत को, 2024 के चुनाव में मोदी की शानदार जीत का संकेतक साबित करने की कोशिश नहीं की जा रही हो, तभी हैरानी की बात होगी। बहरहाल, इस संदर्भ में, संक्षेप में यह याद दिला देना उपयोगी रहेगा कि इस चक्र के नतीजे और उसमें भी खासतौर पर हिंदी पट्टïी के तीन राज्योंकृराजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़कृके नतीजे, ठीक–ठीक क्या कहते हैं और क्या नहीं कहते हैं।

यह निर्विवाद है कि इस चुनाव में तीनों हिंदीभाषी राज्यों में भाजपा को जोरदार जीत हासिल हुई है और आम तौर पर विपक्ष को और खासतौर पर कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। भाजपा ने 2018 के चुनाव के इसी चक्र के नतीजों को पूरी तरह से पलटते हुए, इन तीनों राज्यों में दोबारा सत्ता पर कब्जा ही नहीं कर लिया है, उस मध्य प्रदेश में भी उसने शानदार जीत दर्ज कराई है, जहां 2018 की हार के करीब डेढ़ साल बाद, दलबदल के जरिए उसने फिर से सत्ता हासिल कर ली थी और इस तरह इस बार चुनाव के समय उसकी ही सरकार थी। इस तरह, भाजपा ने इन तीन राज्यों में अपनी राज्य सरकारों की संख्या एक से बढ़ाकर तीन ही नहीं कर ली है, उसने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए मध्य प्रदेश में अपनी सीटों की संख्या में, 2018 के मुकाबले 54 की बढ़ोतरी कर, 163 सीटें हासिल कर ली हैं और छत्तीसगढ़ में अपनी सीटों में 39 की बढ़ोतरी कर, कुल 54 सीटों पर कब्जा कर लिया है। राजस्थान में भी, बहुत अप्रत्याशित नहीं होते हुए भी, उसने अपनी सीटों में 42 की बढ़ोतरी कर, कुल 115 सीटों पर जीत दर्ज कराई है, जिसे प्रभावशाली बहुमत तो जरूर कहा जाएगा।

लेकिन, इतना ही नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने मत फीसद में 7.5 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, कुल 48.6 फीसद वोट हासिल किए हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में उसने 13.3 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, 46.3 फीसद वोट हासिल किए हैं। यहां तक कि राजस्थान में भी उसने 2.9 फीसद की बढ़ोतरी के साथ कुल 41.7 फीसद वोट हासिल किए हैं। छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में मत फीसद में भारी बढ़ोतरी और राजस्थान में भी कुछ बढ़ोतरी का, 2024 के चुनाव के लिए एक स्पष्टï संकेत है जो किसी को भी नहीं भूलना चाहिए। भाजपा हिंदीभाषी क्षेत्र में अब भी अपना वोट बढ़ा पा रही है। और मोटे तौर पर उसका वोट 45 फीसद से करीब तक पहुंच गया है।दूसरी ओर, इस चुनाव में आमतौर पर विपक्ष के और खासतौर पर कांग्रेस के हाथों से दो राज्योंकृराजस्थान और छत्तीसगढ़कृकी सत्ता चली गई है। यह धक्का इसलिए और भी बड़ा है कि इसके बाद कांग्रेस के पास बिहार में महागठबंधन सरकार में हिस्सेदारी के अलावा, हिंदीभाषी क्षेत्र में सिर्फ हिमाचल की सरकार रह गई है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में कांग्रेस पिछले चुनाव के मुकाबले 48 सीटें गंवाकर मात्र 66 सीटों पर आ गई है, जबकि छत्तीसगढ़ में 33 सीटें गंवाकर 35 पर और राजस्थान में 31 सीटें गंवाकर, 70 पर ही सिमट गई है। धक्का बेशक बड़ा है। इसके बावजूद, यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव नतीजों से आम तौर पर जल्दी में जो नतीजा निकाल लिया गया है और धारणा बना ली गई है उसके विपरीत, 2018 के चुनाव के मुकाबले जब इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, इस चुनाव में भी कांग्रेस ने अपना वोट कमोबेश बनाए ही रखा है। मध्य प्रदेश की जबर्दस्त हार के बावजूद, कांग्रेस के वोट में सिर्फ 0.5 फीसद की कमी हुई है और उसने 40.4 फीसद वोट हासिल किए हैं, जबकि राजस्थान में उसके वोट में 0.1 फीसद की मामूली बढ़ोतरी ही हुई और उसकी झोली में 39.7 फीसद वोट आए हैं। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के वोट में 0.8 फीसद की कमी हुई है और उसके हिस्से में 42.2 फीसद वोट आए हैं।कहने की जरूरत नहीं है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा के वोट में जो भी बढ़ोतरी हुई है (जो मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में भारी बढ़ोतरी कही जाएगी) और उसकी सीटों में उससे भी बढ़कर जो बढ़ोतरी हुई है, उसके पीछे श्अन्यच राजनीतिक खिलाड़ियों के निचोड़े जाने की ही कहानी है। मध्य प्रदेश में अन्य के खाते में, जिसमें बसपा, सपा तथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी शामिल हैं, वोट पूरे 7 फीसद घटकर 11 फीसद पर आ गया और सीटें 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर आ गईं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में इस श्रेणी का मत फीसद पूरे 12.5 फीसद की गिरावट के साथ 11.5 फीसद पर ही आ गया और सीटों का आंकड़ा 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर। इसमें सपा, बसपा, गोंगपा आदि के अलावा अजीत जोगी की पार्टी भी शामिल थी। राजस्थान में ही अन्य के वोट में 3 फीसद की अपेक्षाकृत थोड़ी कमी ही आई है, हालांकि इस श्रेणी में शामिल पार्टियों की सीटों की संख्या पूरे 12 की कमी के साथ, 14 पर आ गई है। इस तरह, मोटे तौर पर अन्य की श्रेणी में आने वाली राजनीतिक ताकतों की कीमत पर ही भाजपा ने इस चुनाव में अपनी प्रभावशाली जीत दर्ज कराई है। इन चुनावों में भाजपा की जीत और कांग्रेस व विपक्ष की हार की गंभीरता को कम नहीं करते हुए भी, इन नतीजों से एक बात आसानी से समझी जा सकती है। इन राज्यों के नतीजों के संदर्भ से, 2024 के आम चुनाव के नतीजे की गारंटी कोई नहीं कर सकता है। बेशक, इस चुनाव में भाजपा का पलड़ा भारी रहा है और पर्याप्त भारी रहा है, लेकिन यह भी सच है कि तीनों राज्यों में उसके सामने मुकाबले के लिए एक अच्छी–खासी ताकत थी। और यह ताकत, जो 2018 से 2023 के बीच के पांच सालों में लगभग जस की तस बनी रही है, अगले चुनाव तक भी आसानी से इधर–उधर होने नहीं जा रही है। इतना ही बड़ा सच यह भी है कि भाजपा का वोट 45 फीसद के करीब तक पहुंचने के बावजूद, अब भी वोट का स्पष्टङ्ख बहुमत उसकी पकड़ से बाहर है। और महत्वपूर्ण बात यह है कि एक मजबूत कोर भी मौजूद है, जिसके गिर्द यह गैर–भाजपा वोट जमा हो सकता है। और अगर यह वोट एक जगह जमा हो जाए, तो हिंदीपट्टी में भी भाजपा को पछाड़ा जा सकता है। शेष भारत को मिलाकर उसे पछाड़ना तो और भी आसान होना चाहिए क्योंकि तेलंगाना के हाल के नतीजों से साफ है कि दक्षिण और पूर्व (उत्तर–पूर्व से भिन्न) पूरी तरह से पहले ही उसके दबदबे से बाहर हैं। यहीं इंडिया मंच महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन, उसे इन चुनावों से कुछ जरूरी सबक सीखने होंगे। सबसे जरूरी सबक तो यही है कि भाजपाविरोधी ताकतों की एकजुटता किसी भी कीमत पर कायम होनी ही चाहिए। इन विधानसभाई चुनावों से नकारात्मक सबक लेने ही होंगे। बेशक, यह कसरत भी दिलचस्प हो सकती है कि इंडिया के संभावित सहयोगियों के वोट का एक साथ पड़ना, इस चुनाव में भी भाजपा को कितनी सीटें भेंट करने से बचा सकता था। ऐसी सीटों की संख्या अच्छी–खासी होगी।उम्मीद है कि इन चुनावों की पृष्ठङ्खभूमि में होने वाली इंडिया की पहली बैठक से ही, गठबंधन की सिलवटों को दूर करने के लिए गंभीरता से काम शुरू होगा। यही नहीं, इंडिया के साथ खड़ी ताकतों के दायरे को अधिकतम फैलाने के और नागरिक–सामाजिक संगठनों तथा ऐसी ही तमाम ताकतों को साथ लाने के सक्रिय प्रयास करने होंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर लेकिन नयी नौकरियां पैदा करने में असफल

के आर सुधामन

आजकल अर्थव्यवस्था पर एक घिसा–पिटा बयान दिया जाता है– भारत की अर्थव्यवस्था काफी अच्छी स्थिति में है जबकि कई अन्य देश लड़खड़ा रहे हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है और भू–राजनीति स्थिति को बदतर बना रही है। यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निराशाजनक दुनिया, खासकर यूरोप, मध्य–पूर्व और चीन के तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का कहना है कि इसमें संदेह करने की कोई बात नहीं है और भारत अब उचित रूप से एक उज्ज्वल स्थान पर है। इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने और तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की संभावना है। इसलिए सवाल यह है कि क्या नीति निर्माता इस लाभ को भुनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं। उत्तर निश्चित रूप से नहीं में है। वृहत–आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसके अलावा पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं, खासकर युवाओं के बीच।

बसु भारतीय अर्थव्यवस्था में एक अंतर्निहित कमजोरी की ओर इशारा करते हैं और बताते हैं कि हाल के वर्षों में बचत और निवेश दरों में लगातार गिरावट आई है। बसु का मानना है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान बचत और निवेश दरें सकल घरेलू उत्पाद के 38 से 39 प्रतिशत तक पहुंच गईं। इससे भारत को इस शताब्दी के पहले दशक में स्थिर मूल्य आधार वर्ष पर लगभग 9 प्रतिशत की उच्च विकास दर प्राप्त हुई। विशेष रूप से घरेलू बचत की उच्च बचत दर ने यह सुनिश्चित किया कि निवेश भी तदनुसार अधिक था जिसके परिणामस्वरूप कम वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात हुआ। दुर्भाग्य से, बचत और निवेश दरें दोनों विशेष रूप से मोदी युग के दौरान गिर रही हैं और कोविड के वर्षों के दौरान 28 या 29 प्रतिशत के निचले स्तर तक गिर गई थीं। लेकिन अब अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के साथ थोड़ी तेजी आ रही है, जो स्वागत योग्य है। हालांकि, बसु बताते हैं कि यह अब 30 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है, इसलिए निवेश दर की भी ऐसी ही स्थिति है, जो अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो, विशेष रूप से श्रम प्रधान उद्योगों में भारी निवेश की आवश्यकता है। लेकिन किसी तरह ऐसा नहीं हो रहा है। तथाकथित स्व–रोजगार के माध्यम से अल्प–रोजगार भी बढ़ रही है। 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। सीएमआईई डेटा से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी, जो 5–6 प्रतिशत तक कम हो गई थी, अब फिर से बढ़ रही है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि यह अब 10 प्रतिशत के आसपास है। कौशिक बसु के अनुसार, अधिक चिंताजनक बात यह है कि 15–22 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी 22 प्रतिशत तक है। मध्य–पूर्व में 15–22 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की संख्या भी इतनी अधिक थी। इससे तुरंत खतरे की घंटी बजनी चाहिए। जैसा कि कहा जाता है कि निष्क्रिय दिमाग शैतान का घर होता है। दुनिया भर के सशस्त्र बलों में, सैनिकों को कभी भी निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें हमेशा सुबह उठने के समय से ही कुछ न कुछ काम प्रदान किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अनुशासित रहें। जब युवा व्यस्त नहीं होते हैं तो विघटनकारी प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। इस संदर्भ में अर्थव्यवस्था और समाज के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए रोजगार सृजन पर जोर देना बहुत महत्वपूर्ण है। रोजगार बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे में वित्त पोषण बढ़ाना महत्वपूर्ण है और सरकार साल दर साल सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर अपना काम कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में सार्वजनिक व्यय को 2022–23 के 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक कर दिया है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है। निजी निवेश भी बढ़ रहा है। लेकिन चमड़ा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण आदि जैसे श्रम प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। साथ ही इन उद्योगों को पूरे देश में, विशेषकर छोटे कस्बों और शहरों में फैलाना होगा, ताकि ग्रामीण संकट को दूर किया जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण को बढ़ावा देना एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि इससे नौकरियां पैदा होती हैं, लेकिन ये उद्योग आमतौर पर बड़े शहरों और उसके आसपास स्थापित होते हैं क्योंकि इसके लिए कुशल और उच्च कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। ग्रामीण संकट से निपटने के लिए कौशल विकास को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। स्किल मैपिंग से क्षेत्र विशेष के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। इन पर कार्य प्रगति पर है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार हो रहा है। उन्नत देशों द्वारा चीन प्लस वन नीति अपनाने से विदेशी निवेश प्रवाह में भारत की ओर झुकाव हो रहा है। लेकिन विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें बढ़ने के साथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह की संभावना है। हालांकि यह कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं। लेकिन अस्थिर भू–राजनीतिक स्थिति के साथ, यह प्रवृत्ति कुछ ही समय में उलट हो सकती है। इसलिए इससे बचाव की जरूरत है। एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद–आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

बृषभ :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

धनु :– संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ:– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

मीनः– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

अधिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले करते है बेहतर प्रदर्शन : अजय सिंह

ईमानदारी से काम करने वाले संस्थान के लिए होते है संपत्ति - कर्नल अभिषेक

समसामयिक भर्ती प्रक्रिया और अवसर विषयक विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को समसामयिक भर्ती प्रक्रिया और अवसर विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन मानव संसाधान विभाग एवं केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता मुंबई हाई कोर्ट के अधिवक्ता एवं बायर कंपनी समूह भारत के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट मानव संसाधान अजय सिंह ने कहा कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता जिनकी अधिक होती है वह हर स्थिति में अपना बेहतर प्रदर्शन करते है. जीवन में और कार्य क्षेत्र में नित नई चुनौतियां सामने आती है अधिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लोग इनका सही तरीके से सामना करते है.

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पढाई के दौरान से ही उद्योगों द्वारा निकलने वाली भर्तियों पर ध्यान दे और उनके अनुरूप अपने को तैयार करते रहे. छात्रों को कारपोरेट जीवन मे सफल होने के लिए स्वयं के विकास, रिज्यूम निर्माण और सोशल मीडिया प्रोफाइल को सकारात्मक रखने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि कंपनी नियुक्ति के पूर्व सोशल मीडिया प्रोफाइल को भी चेक कर रहीं है इसपर नकारात्मक पोस्ट आपके लिए ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के युवाओं में बहुत प्रतिभा है और आज देश के हर सेक्टर में अपना लोहा मनवा रहे है. कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों ने वक्ता से रोजगार सम्बंधित सवाल किये.

इसी क्रम में अतिथि वक्ता भारतीय सेना कर्नल अभिषेक सिंह से कहा कि ईमानदारी और अच्छी भावना से काम करने वाले लोग किसी भी संस्थान के लिए संपत्ति होते है. उन्होंने सेना में प्रोफेशनल कोर्सेज के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया. मानव संसाधन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पथर्डीकर ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया. आईक्यूएसी के समन्वयक ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान किया. इस अवसर पर डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमित वत्स, पंकज सिंह,अनुपम समेत विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे.

समाज में व्याप्त छूआछूत, जैसे कुरीति के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले बाबा साहेब को भारतीय संविधान का आधार स्तंभ माना जाता है : अशोक चौरसिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डा भीमराव आंबेडकर निर्वाण दिवस परभारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में बुधवार को एक संगोष्ठी आयोजित किया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी एवं क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया एवं विशिष्ट अतिथि नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि डा रामसूरत मौर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा वंदे मातरम का गीत गाया गया। उसके पश्चात मुख्य अतिथि का जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

इसके पूर्व नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव के अध्यक्षता में सुबह डा भीमराव अंबेडकर के जयन्ती पर अंबेडकर तिराहा स्थित अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको याद किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खेल और युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह उपस्थित रहे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी एवं क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया ने कहा कि आज 06 दिसंबर को डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की पुण्यतिथी है, उनकी याद में निर्वाण दिवस मनाया जाता है। समाज में व्याप्त छूआछूत, दलितों, महिलाओं और मजदूरों से भेदभाव जैसी कुरीति के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले बाबा साहेब को भारतीय संविधान का आधार स्तंभ माना जाता है।

आजादी के बाद भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सात सदस्यों में से एक थे भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथी पर हम उनके प्रेरणादायक विचारों को याद कर रहे हैं, जो आज भी युवाओं में नई ऊर्जा भरने का काम करते हैं।बाबा साहेब पहले भारतीय थे जिन्होंने विदेश जाकर अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल किया था।जब वह 1926 में भारत आए तब उन्हें मुंबई की विधानसभा का सदस्य चुना गया वह आजाद देश के पहले कानून मंत्री बने साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान श्भारत रत्नश से सम्मानित किया गया था। 06 दिसंबर 1956 को डायबिटिज से पीड़ित होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

विशिष्ट अतिथि डा रामसूरत मौर्य ने कहा कि गरीब और दलित वर्ग की स्थिति में सुधार लाने में डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर का अहम योगदान रहा है उन्होंने समाज से छूआछूत समेत कई प्रथाओं को खत्म करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। बौद्ध धर्म के अनुयायियों का मानना है कि उनके बुद्ध गुरु भी डॉ अम्बेडकर की तरह ही सदाचारी थे बौद्ध अनुयायियों के अनुसार डॉ अम्बेडकर भी अपने कार्यों से निर्वाण प्राप्त कर चुके हैं इसलिए उनके पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान के जनक कहे जाने वाले डॉ भीमराव अंबेडकर एक बड़े समाज सुधारक और विद्वान थे। उन्हें अपने कार्यों और विद्वता के लिए जाना जाता है। डा अंबेडकर ने हमेशा ही दलितों की स्थिति में सुधार लाने के लिए काम किया। छुआछूत जैसी कुप्रथा को खत्म करने में भी उनकी बड़ी भूमिका मानी जाती है। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और गरीबों और महिलाओं दोनों के लिए अधिक समानता और अधिकारों के प्रचार के माध्यम से भारतीय संविधान और भारतीय समाज के सुधार के प्रारूपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुशील मिश्रा पियूष गुप्ता जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय संतोष सिंह जिला मंत्री प्रमोद यादव पूर्व जिला मंत्री विपिन द्विवेदी ओम प्रकाश सिंह आमोद सिंह रोहन सिंह सिद्धार्थ राय नागेंद्र उपाध्याय रागिनी सिंह प्रियंका श्रीवास्तव अमित गुप्ता दिव्यांशु सिंह जितेंद्र सिंह बालवीर गौड़ लवकुश सिंह अजय मिश्रा शैलेश सिंह अमित श्रीवास्तव राज केसरपल चिंता हरण शर्मा देवी प्रसाद सिंह जितेंद्र सिंह शहीद तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीआरपी सुरक्षा कर्मियों ने चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या। बुधवार को एसपी रेलवे पूजा यादव रेलवे अनुभाग लखनऊ व सीओ संजीव सिन्हा रेलवे अनुभाग प्रथम लखनऊ के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक रेलवे स्टेशन अयोध्या कैंट राकेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में रेलवे स्टेशन अयोध्या कैंट एवं अयोध्या जंक्शन पर जीआरपी व बम स्क्वायड दल द्वारा सघनता से चेकिंग अभियान चलाया गया। इस मौके पर इन दोनों रेलवे स्टेशनों के वाहन स्टैंड,आरक्षण भवन,प्रतीक्षालय भवन,इन स्टेशनों से गुजरने वाली ट्रेनों मे इन सुरक्षा कर्मियों द्वारा विशेष रुप से चेकिंग अभियान चलाया गया।स्टेशन परिसर व यात्री ट्रेनों में संदिग्ध वस्तु की सघन चेकिंग किया गया।इस मौके पर चौकी प्रभारी जीआरपी अयोध्या उप निरीक्षक सुशील कुमार मिश्रा के साथ साथ उपनिरीक्षक विक्टर जेम्स के अलावा जीआरपी से प्राप्त अतिरिक्त करीब बीस से अधिक की संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। जिसमें चार उप निरीक्षक व सोलह हेड कांस्टेबल शामिल रहे।इस मौके पर चेकिंग अभियान चला रहे प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन राकेश कुमार राय ने रेल यात्रियों से अपील किया कि आप सभी के आसपास संदिग्ध अवस्था में दिखाई देने वाली वस्तुओं की शिकायत सुरक्षा कर्मियों को दे। जिससे समय रहते किसी अनहोनी घटना होने से रोका जा सके।

डी.जी.नागरिक सुरक्षा मुकुल गोयल ने राष्ट्रपति द्वारा प्रदत पदक चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र को पहनाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा संगठन का स्थापना दिवस नागारिक सुरक्षा के कन्ट्रोल रूम में मनाया गया।

उक्त अवसर पर डी.जी.नागरिक सुरक्षा मुकुल गोयल (आई.पी.एस.) ने सर्व प्रथम नागरिक सुरक्षा का ध्वजा तोलन किया तत्पश्चात सिविल डिफेंस लखनऊ के द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर जो कि इण्डियन रेडक्रास शाखा लखनऊ के सहयोग से लगाया गया जिसका उद्घाटन किया जिसमें 22 स्वयं सेवकों ने रक्तदान किया।

डी.जी. सिविल डिफेंस द्वारा उक्त अवसर पर राष्ट्रपति जी का संदेश पढ़कर सुनाया एवं राष्ट्रपति द्वारा प्रदत पदक चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र को पहनाकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर डी.जी. साहब द्वारा 30 अक्टूबर को आयोजित मौकड्रिल में सक्रिय भाग लेने वाले कार्यालय के कर्मचारी एवं 159 सिविल डिफेंस के स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र दिया। उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए डी.जी. जी ने सभी लोगों को नागरिक सुरक्षा दिवस की बधाई दी एवं लखनऊ के स्वयं सेवकों की प्रशंसा की। आज प्रमाण पत्र पाने वालों में चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरूप्रीत सिंह सेठी स्टाफ अफसर ऋतुराज रस्तोगी, डिवीजनल वार्डेन प्रवीन श्रीवास्तव, सुनील शुक्ला, डिप्टी डी.डब्लू हरीशचन्द्र, नन्दकिशोर शुक्ला, एस.ओ. राकेश मिश्र, हरीश चन्द्र, मुसीर अहमद, राजेन्द्र श्रीवास्वत एवं उपनियंत्रक अनीता प्रताप सहायक उप नियंत्रक सुमित मौर्या, मनोज वर्मा, ऋषि कुमार, मुकेश ममतारानी, रेखा आदि को प्रमाण पत्र प्रदान किया। उक्त अवसर पर डी.जी. साहब ने पौधारोपण भी किया।

धूमधाम से मनाया गया बीआर पी इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव

एमएलसी आशुतोष सिन्हा व लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉक्टर प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी ने बच्चों को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज जौनपुर में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं स्मृति शेष मुंशी काली प्रसाद कुल भास्कर के जन्म जयंती के अवसर पर विद्यालय का वार्षिक उत्सव उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉक्टर आर एन त्रिपाठी सदस्य लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्य अतिथि आशुतोष सिन्हा,सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश रहे। वार्षिक उत्सव को भव्य बनाने में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर समस्त अतिथियों का मन मोह लिया।विशिष्ट अतिथि इंजीनियर सुरेश पांडेय श्रीमती सावित्री पांडेय तथा प्रोफेसर डॉक्टर पुनीता पांडेय रही।

विद्यालय के प्रबंधक हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य डॉक्टर सुभाष चंद्र सिंह ने एवं आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय के वार्षिक प्रगति का रिपोर्ट प्रस्तुत किया।मुख्य अतिथि अपने अतिथिय भाषण में बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए परिवार एवं राष्ट्र का नाम रोशन करने की प्रेरणा प्रदान की। विद्यालय के प्रबंधक हरिश्चंद्र श्रीवास्तव जी ने आए हुए अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद् आशुतोष सिन्हा ने छात्र छात्राओं को प्रेरणा के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किया।साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले को सम्मानित किया।जिसमे सपा के जिला कोषाध्यक्ष व एमलसी प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य अभिभावक एवं समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता कर रहे लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी ने समाज शिक्षा छात्राओं को जीवन में सफलता का मंत्र देते हुए समय के सदुपयोग का परिश्रम परिश्रम एव केवल परिश्रम पर बल दिया। विद्यालय प्रबंधन तंत्र के अध्यक्ष श्री रविंद्र अस्थाना जी उप प्रबंधक श्री राजू मोहन श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष एवं मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज जौनपुर के प्रबंधक एडवोकेट श्री दिलीप श्रीवास्तव जी का पूर्ण सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने में रहा।विद्यालय के शिक्षक अखिलेश कुमार धर्मेंद्र यादव प्रकाश चंद यादव विनीत यादव अपने पूर्ण सहयोग के साथ उपस्थित रहे।मंच का संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता ऋषि श्रीवास्तव,डॉ विमल श्रीवास्तव,एवं सोम वर्मा ने किया।प्रधानाचार्य ने आए हुए अथितगणो का आभार व्यक्त किया एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समापन की घोषणा की गई।

बाबा साहब ने देश में जो संविधान बनाया है उसे भाजपा सरकार खत्म कर रही रुदीप चंद राम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्ययता में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर गोष्ठी आयोजित कर मनाया गया सर्व प्रथम उपस्थित लोगों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर ने पुष्प अर्पित किया वहीं डां अवधनाथ पाल ने गोष्ठी को संम्बोधित करते हुए कहा बाबा साहब के एक ऐसे महान पूरूष थें जिसनें देश में एक ऐसा संविधान दिया जिससे पूरा देश चल रहा है जब देश में दलित पिछड़े समाज पर सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते थें उस समय उनके जीवन में कोई आश जगाया वह बाबा साहब थें वह हमेशा शिक्षा को बल दिऐ वह कहते थें शिक्षा वह ताकत है जो आपको अपने हक अधिकार को जानने और उसका उपयोग करने का काम करेगा अगर आप शिक्षित नहीं रहोगे तो संविधान मे जो अधिकार दिया गया है उसका उपयोग नहीं कर सकते हो जो लोग आपको गुलाब बना कर रखें है वो कभी भी आपको शिक्षित नहीं होने देगे।इसी क्रम में दीपचंद राम ने कहा बाबा साहब ने देश में जो संविधान बनाया है उसे भाजपा सरकार खत्म कर रही हैं भाजपा एक ऐसी सरकार है जो संविधान को नहीं मानती है वो लगातार दलित पिछड़े वर्ग के हक अधिकार को खत्म कर रहा है आज बाबा साहब हमारे बीच में भले नहीं है लेकिन संविधान के रूप में वो ताकत दे कर गये है।जिससे हम अपने अधिकार का सही उपयोग करें और 2024 में देश में समाजवाद की सरकार बनाकर अपने हक अधिकार को पाईऐ नहीं तो भाजपा सरकार आपको गुलाम बना देगी । गोष्ठी में मुख्य रूप से राजेन्द्र टाइगर,हिरालाल विश्कर्मा, राहुल त्रिपाठी, इर्शाद मंसूरी,मेवालाल गौतम, अनील दूबे, अखिलेश यादव, भगौती सरोज,रामू मौर्या, अनवारुल गुड्डू, कमालुद्दीन अंसारी, आशीष गोठाव,कमाल आजमी, दीपक विश्कर्मा,धर्मेंद्र सोनकर,लक्ष्मी शंकर यादव,संचालन निर्वतमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव ने किया ।।

सरायपोख्ता पुलिस ने महिला को दिलाया न्याय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश सरकार की नारी सुरक्षा महिला सशक्तिकरण का पालन करती सरायपोख्ता पुलिस देखी गई है। पति की प्रताड़ना के बाद पीट कर घर से निकलने के मामले में पुलिस ने महिला को सुरक्षा व्यवस्था के बीच आधी रात को घर पहुंचा दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला सुंदर नगर का है शुक्रवार रात्रि लगभग 11:30 बजे शराब के नशे में चूर होकर सुमन देवी उम्र लगभग 25 वर्ष का पति वासुदेव मौर्य उसे पीट कर उसे 4 साल के मासूम बच्चों के साथ घर से निकाल दिया था। महिला रोती बिलखती थाना लाइन बाजार गई जहां पुलिस ने उसे कोतवाली का रास्ता दिखा दिया। पैदल ही न्याय के लिए दर–दर भटकने के बाद महिला अपने मासूम बच्चों के साथ पॉलिटेक्निक चौराहे पर स्थित पुलिस बूथ के सामने रही बेंच पर बैठ गई। कुछ ही देर में चौकी प्रभारी सरायपोख्ता राजू कुमार विसेन सहयोगी पुलिस जवान जितेंद्र कुमार सिंह के साथ गस्त करते हुए आ गए। महिला की पीड़ा सुनकर चौकी प्रभारी सहयोगी जवानों के साथ उसके पति के यहां पहुंचे और उसे कड़ी फटकार लगाते हुए महिला को घर पहुंचा दिया। चौकी प्रभारी ने महिला की सुरक्षा के संबंध में पूरी जानकारी दी। पीड़ित महिला का पति प्रसिद्ध ईशा हॉस्पिटल में काम करता है। महिला को रातों–रात इंसाफ दिलाने वाले चौकी प्रभारी ने शासनादेश के तहत कार्य किया है।

दहेज में बुलेट न मिलने पर एक माह की विवाहिता को दिया तलाक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दहेज लोभियों ने एक माह की ब्याही दुल्हन को दहेज की रकम कम मिलने के कारण तीन बार तलाक कहकर तलाक दे दिया है। पुलिस ने इस संबंध में पति जेठ और जेठानी समेत तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला अजमेरी निवासी जिकरुल्लाह ने अपनी पुत्री फरहीन का सुल्तानपुर जनपद के थाना चांदा क्षेत्र के महारानी पश्चिम निवासी मोहम्मद इकराम अली के पुत्र ताजुद्दीन से विवाह तय किया। विवाह में ससुराल के लोगों ने दहेज में लेने वाले सामानों की कीमत पांच लाख मांगी और सुल्तानपुर से सारा सामान खरीदने की बात कही। मायके वालों ने पांच लाख नगद दे दिया और इसी वर्ष के 10 अक्टूबर को बारात आई और मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह किया गया। बारात वाले ही दिन ही बुलेट की मांग को लेकर काफी बवाल हुआ लेकिन लोगों के समझाने पर मामला शांत हुआ और विदाई हो गई। ससुराल पहुंचे पति ताजुद्दीन जेठ इश्तियाक अहमद और जेठानी दहेज कम मिलने के मामले को लेकर फरहीन को तरह–तरह से प्रताड़ित करने लगें। ससुराल के लोगों ने चंद दिन पहले विदा घ्होकर ससुराल आई दुल्हन को मारपीट कर उसके मायके तीन दिसंबर को उसके घर पहुंचा दिया। पति ने तीन बार तलाक तलाक तलाक कहकर उसे तलाक दे दिया और उसे छोड़कर फरार हो गया। महिला ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पति जेठ और जेठानी के खिलाफ 498, 323, 504, 506 व दहेज निवारण अधिनियम एक्ट के साथ मुस्लिम महिला विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा अधिनियम 2019 तीन तलाक की धारा को लगा दिया है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

बी.एड.की छात्रा फाल्गुनी अग्निहोत्री ने सार्वधिक अंक प्राप्त करने पर राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल से दो गोल्ड मेडल प्राप्त कर रचा इतिहास

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। डॉ.राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर ,हरदोई के निदेशक डॉ. शीर्षेन्दु शीलषविपिन ष ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय के बच्चो को पीछे छोड़कर बी.एड. की फाल्गुनी अग्निहोत्री ने दो स्वर्ण पदक(गोल्ड मेडल) प्राप्त कर हमे गौरवान्वित किया है। यह पदक लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 66 दीक्षान्त समारोह में महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनन्दी बेन पटेल ने प्रादन किया । इस अवसर पर पद्मश्री पुरूस्कार प्राप्त करता प्रो. बलराम भार्गव , कुलपति आलोक

राय, शिक्षा मन्त्री श्रीमती रजनी तिवारी, मानद उपाधि धारक संदीप गोयल, सीडीसी प्रो अवधेश त्रिपाठी आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे। उन्हो ने कहा इसके पूर्व महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने एम.ए.(शिक्षाशास्त्र), एम.एस–सी.(जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान) तथा बी.एस–सी. आदि में 12 गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुके हैं। इसके लिये फाल्गुनी अग्निहोत्री इसका श्रेय महाविद्यालय के उच्चतम शिक्षा व्यवस्था, डॉ. शशिकांत पाण्डेय, श्री आनन्द विशारद आदि शिक्षको का अनुभवपूर्ण मार्गदर्शन, माता–पिता के आशीर्वाद,सहपाठियो से सहयोग के साथ अनवरत कठिन परिश्रम को दिया।

महाविद्यालय के बी.एड के विगत 10 वर्षो से लगातार सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुये हैं। इस बी.एड परीक्षा मे 97 विद्यार्थी सम्मलित हुये जिसमे से 57 बच्चो 80 :से अधिक अंक, 35 बच्चो ने 75: से अधिक तथा 5 बच्चो ने 71: अक प्राप्त कर गौरवान्वित किया है।

डॉ भीमराव अंबेडकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर विचार गोष्ठी

दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में मनाया गया परिनिर्वाण दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर ष्डॉ भीमराव अंबेडकररू व्यक्तित्व एवं कृतित्वष विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के निदेशक प्रोफेसर देवराज सिंह ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व बहुत विराट था समाज की मुख्य धारा से कटे हुए दलित समाज के लोगों के लिए वह प्रेरणा स्रोत रहे हैं आर्थिक विपन्नता के बावजूद अपनी लगन एवं दृढ़ निष्ठा के बल पर डॉ आंबेडकर अमेरिका और लंदन से

उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ भीमराव अंबेडकर ने आजाद भारत की एक ऐसी कल्पना की जिसमें सभी समाज के लोगों के अधिकारों की रक्षा हो सके और समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय कैसे मिलेगा यह उनके चिंतन के केंद्र बिंदु में था। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.वनिता सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने रूढ़ियों और परंपराओं पर चोट करते हुए समाज को वैज्ञानिकता और तर्कवाद की कसौटी पर खड़ा करने का प्रयास किया। बाबा साहब द्वारा दलित उत्पीड़न के विरोध में किए गए कार्य, वर्ण एवं जाति पर उनके विचार ,सामाजिक न्याय और दलित संघर्ष पर किए गए प्रयत्नों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। इसके पूर्व विभागीय शिक्षकों व छात्रों ने 11बजे दिन में अंबेडकर जी की प्रतिमा पर कुलसचिव महेंद्र कुमार के साथ माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया।विचार गोष्ठी में डॉ अनुराग मिश्र, मंगला प्रसाद यादव, डॉ प्रियंका कुमारी,श्री प्रकाश यादव, डॉ.राजित राम सोनकर आदि उपस्थित रहे।

अमृत योजना के तहत बिछाई जा रही पाइप लाइन के गड्ढे में दबाकर मजदूर की मौत

संबंधित फार्म के ठेकेदार पर घोर लापरवाही करने का स्थानीय लोगों ने लगाया आरोप घटना के 24 घंटे बीतने के बाद भी नहीं दर्ज हुआ मुकदमा शहर कोतवाल ने बताया नहीं मिली है कोई तहरीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। स्वच्छ गोमती अभियान के तहत शहर में अमृत योजना के द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के तहत पूरे नगर में गड्ढे खोदकर जमीन के नीचे से पाइपलाइन बिछाये जाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस कार्य को करने के लिए संबंधित फार्म के ठेकेदार मानक का जरा भी ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके कारण शहर के विभिन्न इलाकों में इन गड्ढों में गिरकर अब तक लगभग दर्जनों लोग घायल हो चुके और मंगलवार रात एक मजदूर को अपनी जान गवानी पड़ी हैं। बावजूद इसके जिला प्रशासन द्वारा फार्म के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसका परिणाम फिर सामने आया और एक गरीब मजदूर असमय मौत के मुंह में चला गया।

मामला नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद खान मंडी मोहल्ले का है जहां चल रहे सीवर ट्रीटमेंट प्लान्ट में काम कर रहे मजदूर की मंगलवार रात मिट्टी का मलबा गिरने से दबने के कारण मौत हो गई। 3 घण्टे की रेस्क्यू के बाद दो जेसीबी की मदद से शव को बाहर निकाला गयालेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।मृतक मजदूर का नाम रिजवान बताया गया हैं जो यूपी के गाजियाबाद का रहने वाले था जो सीवर लाइन का काम कर रहा था।

मृतक मजदूर करीब 12 फिट गहरे गड्ढे में मिट्टी समतल कर रहा था इसी दौरान ऊपर से मिट्टी भरभराकर गिर गई और उसी में दब गया। लोगो का कहना है कि अगर सही समय पर उसको निकाल लिया गया होता तो शायद आज वो जिंदा होता। मोहल्ले निवासी द्वारा मजदूर के गड्ढे में दबने की सूचना पत्रकार के माध्यम से पुलिस को दी गई खबर मिलते ही मौके पर कोतवाली और लाईन बाजार की पुलिस पहुँच गई और शव को निकालने का काम शुरू किया गया किसी तरह दो जेसीबी मशीन की सहायता से मजदूर को बाहर निकल गया और जिला अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया । घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक शहर बृजेश कुमार भी मौके पर पहुंच गए। स्थानीय निवासी गुड्डा खान और संजीव कुमार का कहना है कि कार्य करने के दौरान सुरक्षा के कोई इंतजाम नही थे रात के आठ बजे तक मजदूर मोबाइल लाइट में काम करते थे लेकिन उनके पास कोई भी इंतजाम नही था। लोगो का ये भी कहना है कि इसमें ठीकेदार की गलती है जो इन मजदूरों को बिना किसी मानक सुरक्षा के इस कार्य में लगाए है। हादसे के बाद से मोर्चा सम्भाले एसपी सिटी ब्रजेश कुमार ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक मजदूर गाजियाबाद जनपद का रिजवान अहमद है। गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू आपरेशन में देर हुई है। घायल मजदूर को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई है रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में थोड़ा समय जरूर लगा है।

वही इस मामले में बुधवार को बात करते हुए स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता ने इस पूरे कार्य में घोर लापरवाही और अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा कि संबंधित फार्म के ठेकेदार द्वारा इस कार्य में शुरू से अनियमित बरती जा रही है जिसको लेकर कई बार मेरे द्वारा जिला प्रशासन सहित प्रदेश की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक बात पहुंचाई गई है कार्य में पूरी तरह से लापरवाही बरती जा रही है यह योजना पूरी तरह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ से मांग करता हूं कि इस मामले में शक्त से सख्त कार्रवाई करें और संबंधित फार्म के ठेकेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करें जिससे एक मजदूर को न्याय मिल सके।

समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए उर्वशी सिंह को मैं जिंदा शहर बनारस हू से सम्मानित किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अनमोल सेवा समिति और ए आर के फाउंडेशन के तत्वावधान में वाराणसी के एक सभागार में सम्मान समारोह मैं जिंदा शहर बनारस हू द इंडियन रियल होरो का आयोजन किया गया , जिसमें जिले से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट अध्यक्ष उर्वशी सिँह को सम्मानित किया। उर्वशी सिंह ने बताया कि आज ये सम्मान पाकर बहुत गौरवांवित महसूस कर रही हू।कार्यक्रम में नीलिमा ठाकुर ने कहा कि उर्वशी ने एक ऐसे समुदाय किन्नर समाज को जोड़ कर एक नई धारा शुरू किया है, जो कि कबीले तारीफ है, उनके अधिकारों और हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रहीं हैं, जैसा कि उर्वशी सिँह ने पूरे कोरोना काल महामारी मे निरंतर लोगों की मदद करती रही,जो कि मौजूदा समय में डेंगू बीमारी मे भी सक्रिय रही! जब भी किसी को खून की जरूरत पड़ती हो या कोई मेडिकल समस्या हो या महिलाओं को कोई जरूरत हो तो बिना समय देखे रात दिन एक कर अपने व अपने टीम के स्तर से कार्य करके लोगों की हमेशा मदद करती रहती है। उर्वशी सिँह समय समय पर जागरूकता संदेश और महिलाओं और बच्चियों को आत्म निर्भर बनाने और जागरूक करने के लिए बहुत सारे कार्यक्रम करती रहती है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है जिसके लिए विगत कई वर्षों से महिलाओं और बच्चियों के लिए कार्य कर रही हैं

पिछले दिसंबर मे इनके अच्छे और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिल्ली मे भी इनको अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इसके पहले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर लखनऊ शहर में एक समारोह में भी न सम्मानित किया गया द्यउर्वशी सिंह ने नीलिमा ठाकुर और अरविंद चक्रवाल को इस सम्मान के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आज महिलाएं अगर एक दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चले तो इस समाज की एक अलग ही तस्वीर दिखेगी।उर्वशी सिंह के एक बार फिर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित होने पर ट्रस्ट परिवार से राधिका सिंह, कंचन सिंह, नागेंद्र सिंह, आशीष श्रीवास्तव, ज्ञान चंद गुप्ता, दीपक श्रीवास्तव, डॉ समर बहादुर सिंह, मीरा अग्रहरी, ज्योति श्रीवास्तव, पिन्कू मौर्या, कनक सिंह, बिट्टू किन्नर, डॉली किन्नर, और शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाए दिया!

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, गरीबों, नौजवानों, महिलाओं और किसानों को दिलाएं अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गरीबों, नौजवानों, महिलाओं और किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को योजना भवन में प्रदेश के मुख्य विकास अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट विलेज बनाए जाएंगे। राम उत्थान से ही देश का उत्थान संभव है। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनके लिए केवल चार जाति है, गरीब, नौजवान, महिला और किसान। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इन चार वर्गों को साधने के लिए सभी विभाग काम करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने भी बैठक में इन चार वर्गों को ही योजनाओं का आधार बनाने पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री ने गांवों का मास्टर प्लान बनाने, स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट विलेज बनाने के लिए प्रत्येक ब्लॉक की 10 पिछड़ी ग्राम पंचायत में विकास कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव –गरीब के विकास की योजनाएं समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाएं उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में कम विकास कम हो पाया है। वहां विभिन्न मापदंड विकास कार्य कराएं। कहा कि ग्राम चौपाल के बहुत ही सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य गांवों के विकास से ही संभव होगा । विकसित भारत संकल्प यात्रा के दूरगामी परिणाम हासिल होंगे। उन्होंने कहा कि गांवों के संतुलित विकास से ही गांवों से शहरों की ओर पलायन रुकेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपालों का आयोजन का पहला चरण हो गया है।

नवाचार, कल्पनाशीलता और खेल कौशल की प्रचुरता-सरस्वती डेंटल कॉलेज की रजत जयंती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत जयंती उत्सव के 5वें दिन, चमकता सूरज मैदानी खेलों के लिए आशा और खुशी लेकर आया। सरस्वती डेंटल कॉलेज के सभी छात्र और शिक्षक सिल्वर जुबली कार्यक्रमों का आनंद लेते रहे। आज आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में सरस्वती वेलनेस सेंटर में टेबल टेनिस बालिका युगल (21 में से सर्वश्रेष्ठ) थे। अंपायर डॉ. महेंद्र सिंह थे। लीग मैचों में चावला वस रमन, प्लेयसर्रू वेरे शाम्भवी गुप्ता एंड ऋषिका राज फ्रॉम चौला एंड डॉ. शैफाली अग्रवाल एंड सृष्टि दस फ्रॉम रमन. (रमन हाउस वोन बय 2 सेट्स). टेबल टेनिस मिश्रित युगल में लीग 1 मैच चावला बनाम कृष्णन के बीच था, खिलाड़ीरू कृष्णन से मुस्कान बंसल और तमोघना विश्वास, चावला हाउस से शांतनु सक्सेना और शांभवी गुप्ता। कड़े मुकाबले और निर्णायक गेम को चावला हाउस ने 2 सेटों से जीत लिया। यह सब संकाय खेल प्रमुख सुलेमान अब्बास, कॉलेज कप्तान – मानसी बिष्ट और खेल सचिव – अक्षत तिवारी, मुस्कान श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ। संयुक्त सचिव – अभिराज, खुशबू, अनुष्का राय और विक्की सिंह। योग सचिव–श्रेयस सिंह, संयुक्त सचिव–लक्ष्य और अंजलि।

इसी बीच लेक्चर हॉल में एक साथ साहित्यिक आयोजन भी हुआ.. अनोखा आयोजन था –मेम–ओ–मेनिया (मीम बनाने की प्रतियोगिता)।

नियम थे–1. प्रत्येक सदन का प्रतिनिधित्व 4 प्रतिभागियों ने किया। 2.केवल व्यक्तिगत प्रविष्टियाँ स्वीकार की गईं। 3. विषय था श्छात्र/सरस्वतीश। 4. प्रतिभागियों को अपनी सामग्री सॉफ्ट और हार्ड दोनों प्रतियों में प्राप्त करनी थी। 5. कार्यक्रम के दिन प्रतिभागियों के साथ रंगीन ।4 आकार का प्रिंट उपस्थित होना अनिवार्य था। और किसी भी साहित्यिक चोरी पर नकारात्मक अंकन किया गया।

कार्यक्रम के निर्णायक थे–डॉ. प्रतीक चंद्रा,डॉ. देवेन्द्र चोपड़ा, डॉ. रुचि श्रीवास्तव। उपस्थित संकाय में डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. सुमित मिश्रा,डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. कनक तिवारी, डॉ. निधि सिन्हा, डॉ. एक श्रीवास्तव सर,डॉ. शमिता शेट्टी,डॉ. कृष्णा प्रियदर्शनी, डॉ. प्रतिभा यादव. प्रतियोगी– तृप्ति तृप्ति, लक्ष्य जयसवाल, रशिल सिंह, शिफा रजा, जीनत खान, महक तुलस्यान, ज्योत्सना यज्ञसेन, साई समर्थ सिंह, डॉ. गौरव चौधरी, रुचिका सोनी, प्रत्यूष यादव, अंशिका मिश्रा, कुशाग्र भाटिया, यशस्वी बनर्जी, मुस्कान बंसल, निधि सिंह इनमें साईं समर्थ सिंह ने प्रथम स्थान, प्रत्यूष यादव ने द्वितीय स्थान, ज्योत्सना यज्ञसेन ने तृतीय स्थान और डॉ. शेफाली अग्रवाल ने सांत्वना पुरस्कार जीता। सभी प्रतियोगियों को अपने–अपने घरों से जबरदस्त समर्थन मिला।

यह आयोजन साहित्यिक प्रमुख डॉ. श्वेता सिंह, साहित्यिक सचिव–दीपांशु, रामस्वरूप और संयुक्त सचिव–प्रतीस एच, इंजिला, परिधि, शगुन, रुचिता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

मेमे ओ मेनिया ने सरस्वती डेंटल कॉलेज में छात्र गतिविधियों को चित्रित करने में शानदार कल्पना और नवीन विचार प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

परिसर सभी छात्रों के बीच उच्च ऊर्जा और उत्साह से भरा हुआ है... गर्ल्स कॉलेज कैप्टन मानसी बिष्ट ने कहा।

प्रतिष्ठित एनएएसी ए ग्रेडेड और एनआईआरएफ रैंक वाले संस्थान में मौज–मस्ती जारी है।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित कर राजपूत सेवा समिति ने जनपद का गौरव बढाया: वृजेश सिंह प्रिन्सू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थापित किये गए महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का मुख्यमंत्री द्वारा अनावरण के संभावित कार्यक्रम के तहत बुधवार को जौनपुर विधान परिसद सदस्य वृजेश सिंह प्रिन्सू ने मूर्ति निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। विधान श्री प्रिन्सू ने अपने निधि से निर्माण स्थल के चारो तरफ लाईट व सोलर लाईट लगाने का निर्देश दिया।

पत्रकारो से वार्ता के दौरान विधान परिसद सदस्य वृजेश सिंह प्रिन्सू ने कहा कि आज राजपूत सेवा समिति के साथ–साथ मुझे भी गर्व हो रहा है कि मैने भी अपना योगदान दिया

आगे उन्होने कहा कि मोबाइल और लैपटाप के दौर में हमारे इतिहास और संस्कृति के प्रति भी जागरूक होने की हम लोगों को आवश्यकता है। केवल फिल्मों के इतिहास से हम लोग आगे नहीं बढ़ सकते। हमें हमारे इतिहास को हमारी आने वाली पीढ़ी को बताना होगा। महाराणा प्रताप ने अपना जीवन देश की एकता व अखंडता की खातिर न्यौछावर कर दिया, उन्होंने घास की रोटी खाकर भी हार नहीं मानी। श्री प्रिन्सू ने राजपूत सेवा समिति के सदस्य व पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह व भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह व सदस्यों के ऐतिहासिक कार्य की सराहना किया।

पार्क में चेतक घोड़े पर सवार महाराणा प्रताप की भव्य गन मेटल की मूर्ति 13 फीट ऊंची होगी जो करीब 6 फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित हो गयी है। और उसके चारों तरफ सुन्दरीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। मौके पर पूर्व विधायक जफराबाद डॉ हरेन्द्र सिंह,राजपूत सेवा समिति के सदस्य दिनेश सिंह बब्बू रत्नाकर सिंह, शशि मोहन सिंह क्षेम ,रविन्द्र प्रताप सिंह,, शशि सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य,देवी सिंह सिद्धार्थ सिंह,सर्वेश सिंह,राम दयाल अंशुमान सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

पिता ने बेटी से किया रेप,2 साल से कर रहा था दरिंदगी

बस्ती। जिले में एक पिता ने अपनी बेटी के साथ रेप किया। लोकलाज के भय से पहले तो बेटी ने जुबान नहीं खोली लेकिन वो उसके साथ कई बार दरिंदगी की तो पीड़िता ने आप बीती मां को बताई। इसके बाद मां के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर आरोपी पिता की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने आनन फानन में कस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामला छावनी थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की रहने वाली 18 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरा पिता पिछले 2 साल से मेरे साथ दरिंदगी करता आ रहा है। उसने कई बार डारा धमकाकर मेरे साथ गंदी हरकत की। कई बार बोलना चाहा तो मारपीट कर चुप करा दिया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।